REPORT

YOUR FINANCIAL PROSPECTS

NEXT 12 MONTHS

Sandhya

Birth Date: 10 Mar 1980 04:00:00 AM

Birth Place: New Delhi, India

2017 - 2018

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामय सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दुखभाग भवेत

Sandhya

10 March 1980, Monday
04:00:00 AM(5.5)
New Delhi, India

रेखांश	:	77.12E
अक्षांश	:	28.36N
साम्पातिक काल	:	14:49:49
स्थानीय मानक समय	:	03:38:48
अयनांश	:	23.58 एन सी लाहिरी

लग्न	:	मकर
लग्नपति	:	शनि
राशी	:	वृश्चिक
राशी स्वामी	:	मंगल
नक्षत्र	:	ज्येष्ठा
नक्षत्र स्वामी	:	बुध
चरण	:	3
नाड़ी	:	आदि
नाड़ी पद	:	मध्य
तिथि	:	अष्टमी कृष्ण
पाया	:	स्वर्ण
सूर्य सिद्धांत योग	:	सिद्धि
करण	:	बलब
वर्ण	:	ब्राह्मण
वर्ण	:	ब्राह्मण
वश्य	:	कीट
योनि	:	मृग(पु.)
विहग	:	वायस
गण	:	राक्षस
प्रथम अक्षर	:	यो, या, यी, यू
सूर्य राशि	:	कुम्भ

लग्न कुन्डली

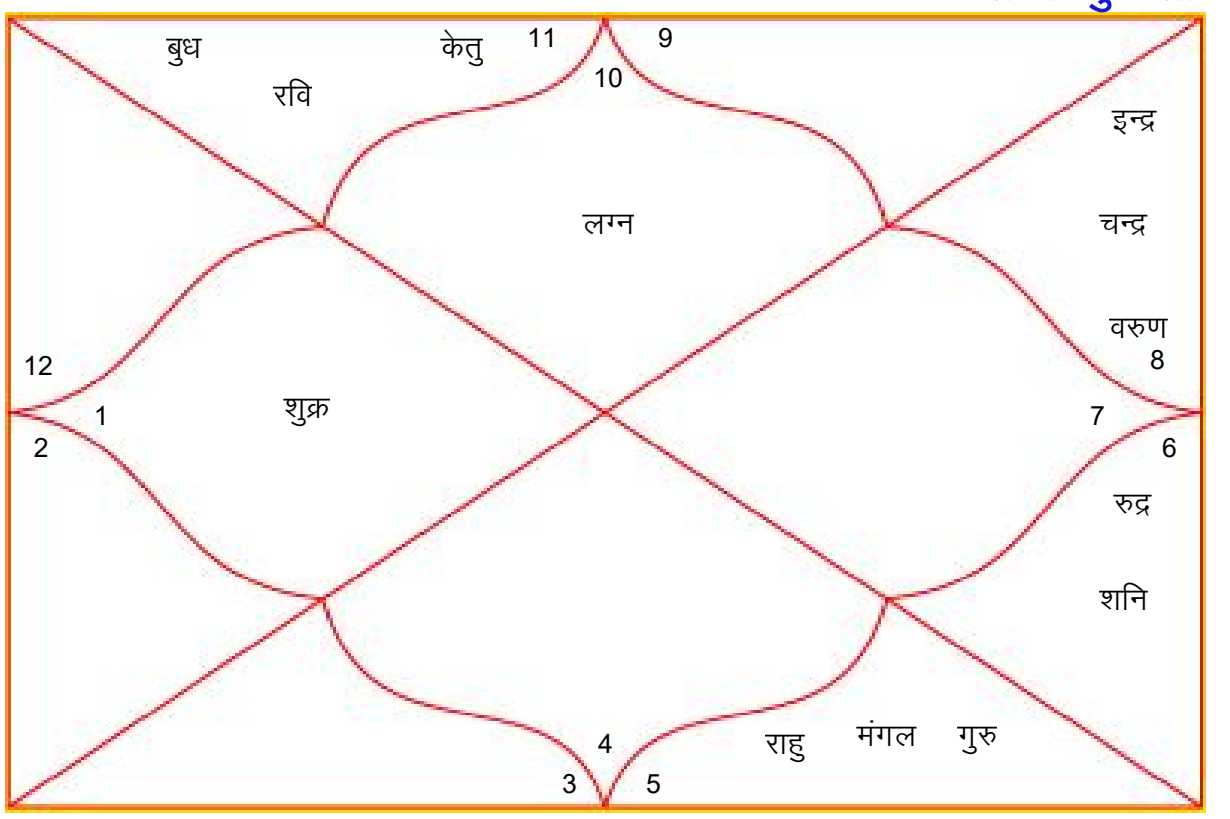

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	दिशा	राशी	स्वामी	डिग्री	नक्षत्र–पद	स्वामी
लग्न		मकर	शनि	5:1:44	उत्तराषाढ़–3	रवि
रवि	मार्गी	कुम्भ	शनि	25:55:46	पूर्व भाद्रपद–2	गुरु
बुध	वक्री	कुम्भ	शनि	18:33:27	शतभिषा–4	राहु
शुक्र	मार्गी	मेष	मंगल	9:57:26	अश्विनी–3	केतु
मंगल	वक्री	सिंह	रवि	7:2:50	मघा–3	केतु
गुरु	वक्री	सिंह	रवि	9:53:20	मघा–3	केतु
शनि	वक्री	कन्या	बुध	0:23:51	उत्तरा–2	रवि
चन्द्र	मार्गी	वृश्चिक	मंगल	25:16:26	ज्येष्ठा–3	बुध
राहु	वक्री	सिंह	रवि	4:39:56	मघा–2	केतु
केतु	वक्री	कुम्भ	शनि	4:39:56	धनिष्ठा–4	मंगल
इन्द्र	वक्री	वृश्चिक	मंगल	1:56:54	विशाखा–4	गुरु
वरुण	मार्गी	वृश्चिक	मंगल	29:2:6	ज्येष्ठा–4	बुध
रुद्र	वक्री	कन्या	बुध	27:38:19	चित्रा–2	मंगल

आपकी वित्तीय स्थिती इस साल

सालाना वित्त रिपोर्ट में आपको इस साल अपनी वित्तीय स्थिति में होने वाली हलचलों का ज्योतिषीय आंकलन मिलेगा. ज्योतिष के द्वारा यह जा सकता है कि साल में कौन से ग्रह आपकी वित्तीय हालत पर प्रभाव डालेंगे व किस दशा में आपको फायदे व नुक्सान की संभावनायें हैं.

इस रिपोर्ट में ग्रहों के गोचर और ग्रहदशा दोनों को ही जांचा गया है जिससे आपके ऊपर ग्रहों के निरंतर पड़ते प्रभाव को समझा जा सके.

विंशोत्तरी दशा (महादशा)

बुध

	19 Mar 1969 - 20 Mar 1986
बुध	19 Mar 1969 - 16 Aug 1971
केतु	16 Aug 1971 - 12 Aug 1972
शुक्र	12 Aug 1972 - 13 Jun 1975
रवि	13 Jun 1975 - 19 Apr 1976
चन्द्र	19 Apr 1976 - 18 Sep 1977
मंगल	18 Sep 1977 - 15 Sep 1978
राहु	15 Sep 1978 - 04 Apr 1981
गुरु	04 Apr 1981 - 11 Jul 1983
शनि	11 Jul 1983 - 20 Mar 1986

केतु

	20 Mar 1986 - 19 Mar 1993
केतु	20 Mar 1986 - 16 Aug 1986
शुक्र	16 Aug 1986 - 16 Oct 1987
रवि	16 Oct 1987 - 21 Feb 1988
चन्द्र	21 Feb 1988 - 21 Sep 1988
मंगल	21 Sep 1988 - 17 Feb 1989
राहु	17 Feb 1989 - 08 Mar 1990
गुरु	08 Mar 1990 - 11 Feb 1991
शनि	11 Feb 1991 - 22 Mar 1992
बुध	22 Mar 1992 - 19 Mar 1993

शुक्र

	19 Mar 1993 - 20 Mar 2013
शुक्र	19 Mar 1993 - 19 Jul 1996
रवि	19 Jul 1996 - 19 Jul 1997
चन्द्र	19 Jul 1997 - 20 Mar 1999
मंगल	20 Mar 1999 - 19 May 2000
राहु	19 May 2000 - 20 May 2003
गुरु	20 May 2003 - 18 Jan 2006
शनि	18 Jan 2006 - 20 Mar 2009
बुध	20 Mar 2009 - 18 Jan 2012
केतु	18 Jan 2012 - 20 Mar 2013

रवि

	20 Mar 2013 - 20 Mar 2019
रवि	20 Mar 2013 - 07 Jul 2013
चन्द्र	07 Jul 2013 - 06 Jan 2014
मंगल	06 Jan 2014 - 14 May 2014
राहु	14 May 2014 - 07 Apr 2015
गुरु	07 Apr 2015 - 25 Jan 2016
शनि	25 Jan 2016 - 06 Jan 2017
बुध	06 Jan 2017 - 12 Nov 2017
केतु	12 Nov 2017 - 20 Mar 2018
शुक्र	20 Mar 2018 - 20 Mar 2019

चन्द्र

	20 Mar 2019 - 20 Mar 2029
चन्द्र	20 Mar 2019 - 19 Jan 2020
मंगल	19 Jan 2020 - 19 Aug 2020
राहु	19 Aug 2020 - 17 Feb 2022
गुरु	17 Feb 2022 - 19 Jun 2023
शनि	19 Jun 2023 - 18 Jan 2025
बुध	18 Jan 2025 - 19 Jun 2026
केतु	19 Jun 2026 - 18 Jan 2027
शुक्र	18 Jan 2027 - 18 Sep 2028
रवि	18 Sep 2028 - 20 Mar 2029

मंगल

	20 Mar 2029 - 19 Mar 2036
मंगल	20 Mar 2029 - 16 Aug 2029
राहु	16 Aug 2029 - 03 Sep 2030
गुरु	03 Sep 2030 - 10 Aug 2031
शनि	10 Aug 2031 - 18 Sep 2032
बुध	18 Sep 2032 - 15 Sep 2033
केतु	15 Sep 2033 - 11 Feb 2034
शुक्र	11 Feb 2034 - 14 Apr 2035
रवि	14 Apr 2035 - 19 Aug 2035
चन्द्र	19 Aug 2035 - 19 Mar 2036

राहु

	19 Mar 2036 - 20 Mar 2054
राहु	19 Mar 2036 - 01 Dec 2038
गुरु	01 Dec 2038 - 25 Apr 2041
शनि	25 Apr 2041 - 01 Mar 2044
बुध	01 Mar 2044 - 19 Sep 2046
केतु	19 Sep 2046 - 07 Oct 2047
शुक्र	07 Oct 2047 - 07 Oct 2050
रवि	07 Oct 2050 - 01 Sep 2051
चन्द्र	01 Sep 2051 - 02 Mar 2053
मंगल	02 Mar 2053 - 20 Mar 2054

गुरु

	20 Mar 2054 - 20 Mar 2070
गुरु	20 Mar 2054 - 07 May 2056
शनि	07 May 2056 - 19 Nov 2058
बुध	19 Nov 2058 - 24 Feb 2061
केतु	24 Feb 2061 - 30 Jan 2062
शुक्र	30 Jan 2062 - 30 Sep 2064
रवि	30 Sep 2064 - 20 Jul 2065
चन्द्र	20 Jul 2065 - 19 Nov 2066
मंगल	19 Nov 2066 - 26 Oct 2067
राहु	26 Oct 2067 - 20 Mar 2070

शनि

	20 Mar 2070 - 20 Mar 2089
शनि	20 Mar 2070 - 23 Mar 2073
बुध	23 Mar 2073 - 01 Dec 2075
केतु	01 Dec 2075 - 09 Jan 2077
शुक्र	09 Jan 2077 - 11 Mar 2080
रवि	11 Mar 2080 - 21 Feb 2081
चन्द्र	21 Feb 2081 - 22 Sep 2082
मंगल	22 Sep 2082 - 01 Nov 2083
राहु	01 Nov 2083 - 07 Sep 2086
गुरु	07 Sep 2086 - 20 Mar 2089

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर

रवि – बुध

	06 Jan 2017 - 12 Nov 2017
बुध	06 Jan 2017 - 19 Feb 2017
केतु	19 Feb 2017 - 09 Mar 2017
शुक्र	09 Mar 2017 - 29 Apr 2017
रवि	29 Apr 2017 - 15 May 2017
चन्द्र	15 May 2017 - 10 Jun 2017
मंगल	10 Jun 2017 - 28 Jun 2017
राहु	28 Jun 2017 - 13 Aug 2017
गुरु	13 Aug 2017 - 24 Sep 2017
शनि	24 Sep 2017 - 12 Nov 2017

रवि – केतु

	12 Nov 2017 - 20 Mar 2018
केतु	12 Nov 2017 - 19 Nov 2017
शुक्र	19 Nov 2017 - 11 Dec 2017
रवि	11 Dec 2017 - 17 Dec 2017
चन्द्र	17 Dec 2017 - 28 Dec 2017
मंगल	28 Dec 2017 - 04 Jan 2018
राहु	04 Jan 2018 - 23 Jan 2018
गुरु	23 Jan 2018 - 10 Feb 2018
शनि	10 Feb 2018 - 02 Mar 2018
बुध	02 Mar 2018 - 20 Mar 2018

रवि – शुक्र

	20 Mar 2018 - 20 Mar 2019
शुक्र	20 Mar 2018 - 20 May 2018
रवि	20 May 2018 - 07 Jun 2018
चन्द्र	07 Jun 2018 - 07 Jul 2018
मंगल	07 Jul 2018 - 29 Jul 2018
राहु	29 Jul 2018 - 22 Sep 2018
गुरु	22 Sep 2018 - 09 Nov 2018
शनि	09 Nov 2018 - 06 Jan 2019
बुध	06 Jan 2019 - 27 Feb 2019
केतु	27 Feb 2019 - 20 Mar 2019

चन्द्र – चन्द्र

	20 Mar 2019 - 19 Jan 2020
चन्द्र	20 Mar 2019 - 14 Apr 2019
मंगल	14 Apr 2019 - 02 May 2019
राहु	02 May 2019 - 17 Jun 2019
गुरु	17 Jun 2019 - 27 Jul 2019
शनि	27 Jul 2019 - 14 Sep 2019
बुध	14 Sep 2019 - 27 Oct 2019
केतु	27 Oct 2019 - 14 Nov 2019
शुक्र	14 Nov 2019 - 03 Jan 2020
रवि	03 Jan 2020 - 19 Jan 2020

चन्द्र – मंगल

	19 Jan 2020 - 19 Aug 2020
मंगल	19 Jan 2020 - 31 Jan 2020
राहु	31 Jan 2020 - 03 Mar 2020
गुरु	03 Mar 2020 - 31 Mar 2020
शनि	31 Mar 2020 - 04 May 2020
बुध	04 May 2020 - 03 Jun 2020
केतु	03 Jun 2020 - 16 Jun 2020
शुक्र	16 Jun 2020 - 21 Jul 2020
रवि	21 Jul 2020 - 01 Aug 2020
चन्द्र	01 Aug 2020 - 19 Aug 2020

चन्द्र – राहु

	19 Aug 2020 - 17 Feb 2022
राहु	19 Aug 2020 - 09 Nov 2020
गुरु	09 Nov 2020 - 21 Jan 2021
शनि	21 Jan 2021 - 18 Apr 2021
बुध	18 Apr 2021 - 04 Jul 2021
केतु	04 Jul 2021 - 05 Aug 2021
शुक्र	05 Aug 2021 - 04 Nov 2021
रवि	04 Nov 2021 - 02 Dec 2021
चन्द्र	02 Dec 2021 - 16 Jan 2022
मंगल	16 Jan 2022 - 17 Feb 2022

चन्द्र – गुरु

	17 Feb 2022 - 19 Jun 2023
गुरु	17 Feb 2022 - 23 Apr 2022
शनि	23 Apr 2022 - 09 Jul 2022
बुध	09 Jul 2022 - 16 Sep 2022
केतु	16 Sep 2022 - 15 Oct 2022
शुक्र	15 Oct 2022 - 04 Jan 2023
रवि	04 Jan 2023 - 28 Jan 2023
चन्द्र	28 Jan 2023 - 10 Mar 2023
मंगल	10 Mar 2023 - 07 Apr 2023
राहु	07 Apr 2023 - 19 Jun 2023

चन्द्र – शनि

	19 Jun 2023 - 18 Jan 2025
शनि	19 Jun 2023 - 19 Sep 2023
बुध	19 Sep 2023 - 10 Dec 2023
केतु	10 Dec 2023 - 13 Jan 2024
शुक्र	13 Jan 2024 - 18 Apr 2024
रवि	18 Apr 2024 - 17 May 2024
चन्द्र	17 May 2024 - 04 Jul 2024
मंगल	04 Jul 2024 - 07 Aug 2024
राहु	07 Aug 2024 - 02 Nov 2024
गुरु	02 Nov 2024 - 18 Jan 2025

चन्द्र – बुध

	18 Jan 2025 - 19 Jun 2026
बुध	18 Jan 2025 - 01 Apr 2025
केतु	01 Apr 2025 - 01 May 2025
शुक्र	01 May 2025 - 27 Jul 2025
रवि	27 Jul 2025 - 21 Aug 2025
चन्द्र	21 Aug 2025 - 04 Oct 2025
मंगल	04 Oct 2025 - 03 Nov 2025
राहु	03 Nov 2025 - 19 Jan 2026
गुरु	19 Jan 2026 - 29 Mar 2026
शनि	29 Mar 2026 - 19 Jun 2026

इस साल आपकी वित्तीय स्थिति

यह साल आपके लिये

धन भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने का साधन है. सभी लोग यह चाहते हैं कि उनके पास काफी धन हो ताकि सभी प्रकार की भौतिक सामग्रियों एवं सुख–साधन का आनन्द ले सकें. आप भी जानना चाहते हैं कि आपकी आर्थिक स्थिति कैसी रहेगी. इस रिपोर्ट में वर्ष भर में आपके कार्य और उनसे प्राप्त आय का विश्लेषण प्रस्तुत किया जा रहा है. कार्य का जिक्र इसलिए किया जा रहा है क्योंकि आय तभी मिलता है जब आप कार्य करते हैं.

रिपोर्ट में आर्थिक स्थिति का विश्लेषण महादशा, अन्तर्दशा, प्रत्यंतर दशा, एकादश भाव के स्वामी एवं एकादश भाव से गोचर करने वाले ग्रहों के आधार पर किया गया है. अंत में कुछ उपाय भी बताये गये हैं जिनसे आप लाभ उठा सकते हैं.

ग्रहों की दशा का आपकी वित्तीय स्थिति पर प्रभाव

महादशा : रवि

20 March 2013 - 20 March 2019

इस समयावधि में आपको कठोरता की बजाय व्यवहारिक से काम लेना चाहिए अन्यथा व्यावसायिक सम्बन्धों में कटुता आ सकती है. आधिकारियों से समय–समय पर मतभेद मतभेद हो सकता है. उनकी नाराज़गी आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती है. आप अधिकारों में कमी को लेकर चिंतित रह सकते हैं. इन दिनों कठिनाई आने पर भी आत्मविश्वास बनाये रखना चाहिए इससे आर्थिक स्थिति में संतुलन बनाये रखने में सफल होंगे.

आर्थिक दृष्टिकोण से यह भी आपके लिए फायदेमंद होगा कि, जो भी कार्य योजना शुरू करें उस पर पहले से बनाई गई नीतियों के अनुसार कार्य करते रहें. बार–बार कार्य योजनाओं में परिवर्तन नहीं करना चाहिए. प्रतियोगियों पर प्रभाव बनाये रखने के लिए प्रबन्धन एवं प्रशासनिक कार्यों में आवश्यकतानुसार सुधार लाएं.

अन्तर दशा : रवि–बुध

06 January 2017 - 12 November 2017

इन दिनों आपकी बुद्धि प्रखर रहेगी. इससे सभी विषयों को अच्छी तरह समझ सकेंगे और उनका विश्लेषण कर पाएंगे जिनसे व्यावसायिक क्षेत्र में आने वाली बाधाओं को दूर करने में मदद मिलेगी. आर्थिक लाभ मिलेगा. इस समय दूरदर्शिता पूर्वक लिये गये निर्णय से लम्बे समय तक आप लाभान्वित होते रहेंगे. आपका धन कहीं रूका हुआ है तो चतुराई से उसे प्राप्त करने में आपको सफलता मिल सकती है.

व्यावसायिक दृष्टि से यह समय आपके अनुकूल है. प्रयास करने पर व्यावसायिक विवादों को सुलझाने में सफलता मिलेगी. समझौतों द्वारा अपनी व्यावसायिक साख मजबूत बना पाएंगे. सहयोग और समन्वय से कुछ नये कार्य हासिल कर सकते हैं. कोई नया व्यवसाय करने का विचार आपके मन में आ सकता है. सहयोगियों से इन दिनों आपके अच्छे सम्बन्ध रहेंगे, कार्य में उनका पूरा योगदान मिलेगा.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–बुध–शनि

24 September 2017 - 12 November 2017

इस दशा समय में लाभ के नये अवसर प्राप्त हो सकते हैं. पूर्व में किये गये कार्यों का लाभ मिलना शुरू होगा. मेहनत और लगन पूर्वक कार्य करने से इस वक्त कठिन से कठिन कार्यों को भी पूरा कर सकते हैं. इससे आय में स्थायित्व एवं निरन्तरता भी बनी रहेगी.

व्यावसायिक योजनाओं में कार्य के प्रति समर्पण की भावना का विकास होगा. आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी. इस वक्त आलस्य को अपने से जितनी दूर रखेंगे लाभ का प्रतिशत भी उतना बढ़ता जाएगा.

अन्तर दशा : रवि–केतु

12 November 2017 - 20 March 2018

इस समय आर्थिक गतिरोधों को कम करने हेतु आपको कई बातों का ध्यान रखना होगा जिनमें यह आवश्यक है कि अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें तथा लोगों से विनम्रता पूर्वक बातें करें. व्यावसायिक क्षेत्र में समझदारी पूर्वक शब्दों का प्रयोग करने से हानि की संभावना को कम कर सकते हैं. वाद–विवादों से दूर रहना भी आवश्यक है.

इन दिनों आपको सराहना की बजाय आलोचना अधिक मिल सकती है. योजनाओं को पूरा करने में धन सम्बन्धी दिक्कतें आने की गुंजाईश है. इनका सामना धैर्य और बुद्धिमानी से करना होगा. धन की कमी को दूर करने के लिए अपने अंदर जोश बनाये रखें और कार्य पर पूरा ध्यान दें. जोखिम भरे क्षेत्रों में योजना आरम्भ करना हानिप्रद होगा अतः इन्हें अभी रोक देना चाहिए.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–केतु–केतु

12 November 2017 - 19 November 2017

केतु की स्थिति आपकी कुण्डली में अनुकूल नहीं होने के कारण इस अवधि में व्यावसायिक क्षेत्र में वाद–विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है. व्यावसायिक समस्याओं को सुलझाने में अनावश्यक रूप से समय खर्च होगा और मानसिक परेशानी बढ़ेगी.

विचारों में अस्थिरता एवं उलझनों की वजह से योजनानुरूप कार्य करने में कठिनाई महसूस कर सकते हैं. हालांकि, इनसे उबरने की कोशिश करेंगे तो आर्थिक बाधाओं में कमी आएगी. मुश्किल हालातों से निकलने के लिए साहस और कार्यकुशलता से काम करना लाभदायक होगा.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–केतु–शुक्र

19 November 2017 - 11 December 2017

उपरोक्त समय में लाभ बढ़ाने के लिए अनुभवी व्यक्तियों एवं अधिकारियों से सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाकर रखना चाहिए. अपने मन की करने की बजाय दूसरों के विचारों एवं दिशा–निर्देशों पर गौर करना भी फायदेमंद होगा. अपनी योजनाओं को सुचारू तौर पर चलाने हेतु व्यावसायिक क्षेत्र में आपसी स्नेह और सहयोग बनाये रखने का प्रयास करना होगा.

आपके विरोधी एवं प्रतिद्वंद्वी आपको हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं. इनसे सावधान रहना लाभदायक होगा. मान–सम्मान में कमी एवं आर्थिक नुकसान से बचने हेतु व्यावसायिक मामलों में विपरीत लिंग के व्यक्तियों से अधिक निकटता ना ही रखें तो अच्छा होगा.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–केतु–रवि

11 December 2017 - 17 December 2017

इस समय प्रशासनिक नीतियों एवं दिशा–निर्देशों के अनुसार आपको कार्य करना चाहिए इससे आर्थिक क्षेत्र में आने वाली बाधाओं को कम कर सकते हैं तथा मानसिक परेशानियों में कमी ला सकते हैं. प्रभावशाली व्यक्तियों एवं अधिकारियों से सम्बन्धों में कड़वाहट बढ़ने की संभावना है, जो आपके लिए नुकसानदेय हो सकती है अतः इनसे बचने की कोशिश

करें.

अपनी कार्य योजना पूरी करने के लिए अपने सिद्धांतों एवं अनुशासन में लचीलापन लाना होगा तथा अपने निर्णयों में बार–बार परिवर्तन से भी बचना होगा. अपना आत्मविश्वास बढ़ाइये और छोटी–छोटी सफलताओं पर खुश रहने की कोशिश कीजिए यह आपके लिए फायदेमंद होगा.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–केतु–चन्द्र

17 December 2017 - 28 December 2017

इन दिनों आप अधिक भावुक हो सकते है तथा विचारों में अस्थिरता रह सकती है. यह दोनों ही स्थिति व्यावसायिक एवं आर्थिक दृष्टि से शुभ संकेत नहीं है क्योंकि, भावुकता में लिया गया निर्णय आर्थिक नुकसान पहुंचा सकता है. मानसिक उलझनों के कारण निर्णय लेने में आप काफी वक्त लगाएंगे.

अच्छी तरह से कार्य करने पर भी लाभ उम्मीद से कम मिल रहा हो तब भी धीरज धारण करके वक्त की प्रतीक्षा करनी चाहिए. आर्थिक लाभ हेतु अपने अंदर आत्मविश्वास बनाये रखें और छोटी–छोटी मुश्किलों से चिन्तित होने की बजाय उनका सामना करने की कोशिश करें.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–केतु–मंगल

28 December 2017 - 04 January 2018

इस समय में आपको अपनी योजनाओं को चलाते रहने के लिए खुद ही पहल करनी होगी. आपकी उर्जा शक्ति बढ़ेगी ऐसे में, मेहनत और प्रयास से कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल हो सकते हैं. कार्य क्षेत्र में आगे बढ़कर लाभ उठाने के लिए यह अच्छा समय है, प्रतियोगी परेशान नहीं करेंगे.

व्यावसायिक क्षेत्र में उन्नति हेतु कार्य की समीक्षा समय–समय पर करते रहें इससे लक्ष्य तक पहुंचने में आसानी होगी. आपके कार्य से जुड़े हुए लोगों के कामों पर भी नज़र रखें, यह फायदेमंद होगा.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–केतु–राहु

04 January 2018 - 23 January 2018

आर्थिक लाभ के लिए ग़लत तरीकों का प्रयोग नहीं करना चाहिए इससे धन की हानि और सरकार से दण्ड मिल सकता है. इनसे बचने के लिए कानून के दायरे में रहकर काम करना भी जरूरी है. व्यावसायिक सम्बन्धों को मजबूत बनाये रखना चाहते हैं तो अपने हित के लिए दूसरों के हित की अवहेलना से बचें.

इस अवधि में लाभ पाने के लिए जिम्मेवारियों के प्रति जवाबदेह बनें तथा अपने अधिकारों को भी समझें. चतुराई से काम लेंगे तो प्रतियोगियों से लाभ उठा सकते हैं.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–केतु–गुरु

23 January 2018 - 10 February 2018

आर्थिक उन्नति हेतु इन दिनों अपनी योग्यता बढ़ानी होगी. जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण लेना भी फायदेमंद रहेगा. यह ऐसा समय है जब आपको व्यावसायिक जिम्मेवारियों को पूरा करने का अवसर मिलेगा. अधूरे कार्य भी पूरा कर सकते हैं. अतः अपनी कमियों को जल्दी से जल्दी दूर करने की कोशिश करें.

आर्थिक मामलों में कोई भी फैसला लेने से पहले अपने से अनुभवी और योग्य व्यक्ति से सलाह लेना चाहिए. यह नुकसान की संभावना को कम करेगा. खर्च पर नियंत्रण रखने की कोशिश नहीं करेंगे तो अनावश्यक विषयों में आपका बहुत सा धन खर्च हो सकता है. ऐसे काम से दूर रहें जिनसे मान–सम्मान की हानि हो सकती है.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–केतु–शनि

10 February 2018 - 02 March 2018

इस दशा समय में लाभ के नये अवसर प्राप्त हो सकते हैं. पूर्व में किये गये कार्यों का लाभ मिलना शुरू होगा. मेहनत और लगन पूर्वक कार्य करने से इस वक्त कठिन से कठिन कार्यों को भी पूरा कर सकते हैं. इससे आय में स्थायित्व एवं निरन्तरता भी बनी रहेगी.

व्यावसायिक योजनाओं में कार्य के प्रति समर्पण की भावना का विकास होगा. आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी. इस वक्त आलस्य को अपने से जितनी दूर रखेंगे लाभ का प्रतिशत भी उतना बढ़ता जाएगा.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–केतु–बुध

02 March 2018 - 20 March 2018

इस समय आपकी निर्णय क्षमता अच्छी रहेगी इससे कार्यों का विस्तार करने में आप सफल हो सकते हैं. धन प्राप्ति के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए भी समय अच्छा है इसका सदुपयोग करना चाहिए.

बुद्धिमानी व व्यवहारिकता से कार्य निकलवाने में आपको सफलता मिलेगी, इनसे आर्थिक लाभ भी होगा. इन दिनों अपनी लोकप्रियता से आप फायदा उठा सकते हैं. अपनी योजनाओं को मूर्त रूप देने में भी आपको कामयाबी मिल सकती है.

अन्तर दशा : रवि–शुक्र

20 March 2018 - 20 March 2019

इन दिनों अपने काम में रचनात्मकता बनाये रखने की कोशिश करें तथा उन्हें और बेहतर बनाने की सोचें. अपने काम पर ध्यान दें, इस बात को लेकर चिंतित नहीं हों कि लोग आपके कार्य की सराहना करते हैं या नहीं. आप चाहें तो इस अवधि में अपनी प्रतिभा साबित करने के लिए कार्य का प्रदर्शन कर सकते हैं, इससे आपको लाभ मिल सकता है.

कार्य क्षेत्र में विपरीत लिंग के व्यक्तियों की दखलंदाजी कम रखें तो अच्छा होगा. इनसे व्यवहारिक सम्पर्क रखना ही आपके हित में है अधिक निकटता होने से नाम, यश और धन की हानि हो सकती है. यह आपके लिए ऐसा समय है जब लाभ के लिए चारित्रिक दुर्बलाताओं पर विजय पाना होगा. पारिवरिक मुद्दों को एवं व्यावसायिक विषयों को एक–दूसरे से अलग रखना लाभप्रद होगा.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–शुक्र–शुक्र

20 March 2018 - 20 May 2018

उपरोक्त समय में लाभ बढ़ाने के लिए अनुभवी व्यक्तियों एवं अधिकारियों से सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाकर रखना चाहिए. अपने मन की करने की बजाय दूसरों के विचारों एवं दिशा–निर्देशों पर गौर करना भी फायदेमंद होगा. अपनी योजनाओं को सुचारू तौर पर चलाने हेतु व्यावसायिक क्षेत्र में आपसी स्नेह और सहयोग बनाये रखने का प्रयास करना होगा.

आपके विरोधी एवं प्रतिद्वंद्वी आपको हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं. इनसे सावधान रहना लाभदायक होगा. मान–सम्मान में कमी एवं आर्थिक नुकसान से बचने हेतु व्यावसायिक मामलों में विपरीत लिंग के व्यक्तियों से अधिक निकटता ना ही रखें तो अच्छा होगा.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–शुक्र–रवि

20 May 2018 - 07 June 2018

इस समय प्रशासनिक नीतियों एवं दिशा–निर्देशों के अनुसार आपको कार्य करना चाहिए इससे आर्थिक क्षेत्र में आने वाली बाधाओं को कम कर सकते हैं तथा मानसिक परेशानियों में कमी ला सकते हैं. प्रभावशाली व्यक्तियों एवं अधिकारियों से सम्बन्धों में कड़वाहट बढ़ने की संभावना है, जो आपके लिए नुकसानदेय हो सकती है अतः इनसे बचने की कोशिश करें.

अपनी कार्य योजना पूरी करने के लिए अपने सिद्धांतों एवं अनुशासन में लचीलापन लाना होगा तथा अपने निर्णयों में बार–बार परिवर्तन से भी बचना होगा. अपना आत्मविश्वास बढ़ाइये और छोटी–छोटी सफलताओं पर खुश रहने की कोशिश कीजिए यह आपके लिए फायदेमंद होगा.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–शुक्र–चन्द्र

07 June 2018 - 07 July 2018

इन दिनों आप अधिक भावुक हो सकते है तथा विचारों में अस्थिरता रह सकती है. यह दोनों ही स्थिति व्यावसायिक एवं आर्थिक दृष्टि से शुभ संकेत नहीं है क्योंकि, भावुकता में लिया गया निर्णय आर्थिक नुकसान पहुंचा सकता है. मानसिक उलझनों के कारण निर्णय लेने में आप काफी वक्त लगाएंगे.

अच्छी तरह से कार्य करने पर भी लाभ उम्मीद से कम मिल रहा हो तब भी धीरज धारण करके वक्त की प्रतीक्षा करनी चाहिए. आर्थिक लाभ हेतु अपने अंदर आत्मविश्वास बनाये रखें और छोटी–छोटी मुश्किलों से चिन्तित होने की बजाय उनका सामना करने की कोशिश करें.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–शुक्र–मंगल

07 July 2018 - 29 July 2018

इस समय में आपको अपनी योजनाओं को चलाते रहने के लिए खुद ही पहल करनी होगी. आपकी उर्जा शक्ति बढ़ेगी ऐसे में, मेहनत और प्रयास से कार्यों को समय पर पूरा करने में

सफल हो सकते हैं. कार्य क्षेत्र में आगे बढ़कर लाभ उठाने के लिए यह अच्छा समय है, प्रतियोगी परेशान नहीं करेंगे.

व्यावसायिक क्षेत्र में उन्नति हेतु कार्य की समीक्षा समय–समय पर करते रहें इससे लक्ष्य तक पहुंचने में आसानी होगी. आपके कार्य से जुड़े हुए लोगों के कामों पर भी नज़र रखें, यह फायदेमंद होगा.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–शुक्र–राहु

29 July 2018 - 22 September 2018

आर्थिक लाभ के लिए ग़लत तरीकों का प्रयोग नहीं करना चाहिए इससे धन की हानि और सरकार से दण्ड मिल सकता है. इनसे बचने के लिए कानून के दायरे में रहकर काम करना भी जरूरी है. व्यावसायिक सम्बन्धों को मजबूत बनाये रखना चाहते हैं तो अपने हित के लिए दूसरों के हित की अवहेलना से बचें.

इस अवधि में लाभ पाने के लिए जिम्मेवारियों के प्रति जवाबदेह बनें तथा अपने अधिकारों को भी समझें. चतुराई से काम लेंगे तो प्रतियोगियों से लाभ उठा सकते हैं.

प्रत्यन्तर दशा : रवि–शुक्र–गुरु

22 September 2018 - 09 November 2018

आर्थिक उन्नति हेतु इन दिनों अपनी योग्यता बढ़ानी होगी. जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण लेना भी फायदेमंद रहेगा. यह ऐसा समय है जब आपको व्यावसायिक जिम्मेवारियों को पूरा करने का अवसर मिलेगा. अधूरे कार्य भी पूरा कर सकते हैं. अतः अपनी कमियों को जल्दी से जल्दी दूर करने की कोशिश करें.

आर्थिक मामलों में कोई भी फैसला लेने से पहले अपने से अनुभवी और योग्य व्यक्ति से सलाह लेना चाहिए. यह नुकसान की संभावना को कम करेगा. खर्च पर नियंत्रण रखने की कोशिश नहीं करेंगे तो अनावश्यक विषयों में आपका बहुत सा धन खर्च हो सकता है. ऐसे काम से दूर रहें जिनसे मान–सम्मान की हानि हो सकती है.

रत्नों द्वारा उपाय

सूर्य का रत्न माणिक्य धारण करना आपके लिये लाभकारी रहेगा. प्रशासनिक योग्यता एवं आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. अधिकारियों से अच्छे सम्बन्ध बनेंगे इससे आपके अधिकार एवं प्रभाव में वृद्धि हो सकती है. आर्थिक स्थिति में सुधार के अवसर मिलेंगे और इस दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा. रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ेगी, बीमार कम पड़ेंगे.

दान के द्वारा उपाय

आपके ऊपर सूर्य की महादशा चल रही है. इस दशा में सूर्य की वस्तुओं का दान करना लाभप्रद होगा. सूर्य की वस्तुएं हैं माणिक्य, ताम्र, गेहूं, घी, लाल कपड़ा, लाल फूल, केसर, लाल गाय, लाल चंदन. इन वस्तुओं का दान करने के लिए रविवार के दिन प्रातः काल का समय उपयुक्त होगा.

मंत्रों द्वारा उपाय

सूर्य महादशा की इस अवधि में शुभ फल पाने हेतु मंत्र जप का भी सहारा लिया जा सकता है. आप सूर्य के मंत्र "ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः" का 7000 बार जप कर सकते हैं. मंत्र जप आरम्भ करने से पूर्व यह संकल्प लें कि आप कितने समय में यह जप पूरा करेंगे. संकल्प की अवधि में जप पूरा होने पर पूर्ण फल प्राप्त होगा अन्यथा जप का फल नहीं मिलेगा.

जप पूरा होने के बाद आक की लकड़ियो से हवन करना चाहिए. हवन में घी, शहद, दूध, दही और गुड़ अथवा चीनी से 108 बार आहुति दें.

वित्त भाव में ग्रहों के गोचर का आप पर प्रभाव

एकादशम घर में सूर्य का गोचर

18 October 2017 - 17 Nov 2017
18 October 2018 - 17 Nov 2018

कार्यक्षमता का विकास करने के लिये समय अनुकूल है. आप अपने दायित्वों को बखूबी निभाने की कोशिश करेंगे. आय भाव पर सूर्य का गोचर लाभ प्राप्ति में सहयोग कर सकता है. गोचर की इस अवधि में अपने अधिकारों का प्रयोग करके आमदनी बढ़ा सकते हैं. प्रशासनिक कार्यों का आंकलन करके उनमें आवश्यक सुधार लाने से भी आपको फायदा होगा.

यह समय व्यावसायिक जगत में आगे बढ़ने का है ऐसे में नम्र और सहनशील बने रहना आपके लिए श्रेयष्कर होगा अतः, क्रोध और कठोर व्यवहार को अपने से दूर रखें.

एकादशम घर में बुध का गोचर

14 October 2017 - 03 Nov 2017
07 October 2018 - 27 Oct 2018

आय भाव पर बुध का गोचर हो रहा है. इस समय आपकी बुद्धि खूब चलेगी और आप इसका लाभ उठा पाएंगे. गोचर की इस अवधि में व्यावसायिक समझौता अथवा करार करना लाभप्रद होगा. व्यवहारिक निर्णय से आप फायदे में रहेंगे.

मीटिंग्स एवं विचारों की अभिव्यक्ति कर सकते हैं. छोटी योजनाओं पर कार्य शुरू करने से अनुकूल परिणाम मिल सकता है. विरोधियों को परास्त करने के लिए नीति में सुधार करते रहना अच्छा रहेगा. लाभ बढ़ाने के लिए आय के स्रोतों का विश्लेषण करना तथा उनमें समन्वय बनाए रखना चाहिए.

एकादशम घर में शुक्र का गोचर

04 November 2017 - 27 Nov 2017
02 September 2018 - 02 Jan 2019

शुक्र का गोचर आय भाव पर होने से व्यावसायिक क्षेत्र में नये संबन्धों से अल्पकालीन लाभ प्राप्त हो सकते है. आय की दृष्टि से यह समय आपके लिये शुभ रहेगा. अपनी बातों से काम निकालने में सफल होंगे. व्यावसायिक जगत में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी. आय में भी इज़ाफा होगा. आर्थिक स्थिति में सुधार से आप प्रसन्न रहेंगे.

क्रय–विक्रय के लिए समय अच्छा है. विपरीत लिंग के व्यक्तियों का सहयोग धन लाभ दिला सकता है. लेकिन, इनमें जरूरत से अधिक रूचि लेना नुकसानदायक भी हो सकता है.

एकादशम घर में मंगल का गोचर

01 December 2017 - 18 Jan 2018

दिये गये समय में मंगल का गोचर एकादश भाव से हो रहा है. इस अवधि में जोश और उत्साह से कार्य करना लाभप्रद होगा. आप आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक प्रयास करेंगे. अपने सहयोगियों से अच्छी तरह से कार्य करवा पाएंगे. इनका आपको आर्थिक लाभ मिल सकता है.

उत्तेजना पर नियंत्रण रखकर धैर्य और संयम से काम लेना फायदेमंद होगा. लाभ पाने के लिए व्यवहारिकता से काम लेना भी जरूरी है. कार्य में किसी का हस्तक्षेप आपको खलेगा.

एकादशम घर में गुरु का गोचर

13 September 2017 - 12 Oct 2018

दिये गये समय में गुरू एकादश भाव से गोचर करेगा. धन व यश प्राप्ति के प्रयास इस अवधि में सफल होंगे. अपनी योग्यता साबित करने का आपको मौका मिलेगा और लाभ प्राप्ति के मार्ग प्रशस्त होंगे. प्रगतिशील विचारों का भी इन दिनों आपको फायदा मिलेगा.

आपके कार्यों को सराहा जाएगा. व्यावसायिक स्तर में भी सुधार दिखेंगे. समझदारी पूर्वक धन का निवेश कर सकते हैं. कोशिश करने पर उधार दिया गया धन वापस मिल सकता है.

एकादशम घर में चन्द्र का गोचर

17 November 2017 - 19 Nov 2017
14 December 2017 - 16 Dec 2017
10 January 2018 - 13 Jan 2018
06 February 2018 - 09 Feb 2018
06 March 2018 - 08 Mar 2018
02 April 2018 - 05 Apr 2018
30 April 2018 - 02 May 2018
27 May 2018 - 29 May 2018
23 June 2018 - 25 Jun 2018
20 July 2018 - 23 Jul 2018
17 August 2018 - 19 Aug 2018
13 September 2018 - 15 Sep 2018
10 October 2018 - 13 Oct 2018

चन्द्र का गोचर इस अवधि में एकादश भाव से हो रहा है. आर्थिक समस्याओं को सुलझाने के लिए यह अनुकूल समय है. धन और संसाधनों का बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने से आपको फायदा मिल सकता है. दिये गये समय में लेन–देन का कार्य आसानी से कर सकते हैं. आपका मनोबल ऊँचा रहेगा इससे चिन्ताओं में कमी आएगी तथा आय प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा.

अपने संगठन में आप चाहें तो सुधार कर सकते हैं, यह इसके लिए उपयुक्त वक्त है. इस गोचर के शुभ फलों को बढ़ाने के लिए अपने अंदर सहयोग की भावना बनाये रखना उपयोगी होगा.

वित्त भाव के स्वामी का वित्त भाव में गोचर

04 November 2017 - 27 Nov 2017
02 September 2018 - 02 Jan 2019

शुक्र के गोचर की यह अवधि आपके आय के क्षेत्रों की बाधाओं में कमी करने में सहयोग कर सकती है. समयावधि में लाभ प्राप्ति के नये अवसर प्राप्त हो सकते है. तथा लाभ क्षेत्रों की नई संभावनाओं का पता आपको चलेगा. अपने व्यावसायिक संबन्धों का प्रयोग कर लाभ उठाने के प्रयास किये जा सकते है. व्यावसायिक छवि में सुधार करने के लिये समय आपके साथ है. इस समय में व्यावसायिक मेल–मिलाप व समारोह करने से लाभ क्षेत्रों का विस्तार करने में सहयोग प्राप्त हो सकता है. अपनी लोकप्रियता का सहयोग आपको आर्थिक क्षेत्र में प्राप्त हो सकता है. इससे आय क्षेत्र की बाधाओं में कमी की जा सकती है. इस अवधि में व्यवहारिक बने रहना लाभकारी रहेगा.

आप पर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव

27 October 2017 - 25 Jan 2020

आप की जन्म राशि पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है. इसका प्रभाव आपके लाभ क्षेत्र पर भी पड़ेगा. इसके फलस्वरुप इस अवधि में लाभ बढ़ाने के लिये पहले की अपेक्षा मानसिक दबाव अधिक रहेगा. इस अवधि में समय–समय पर व्यावसायिक चिन्ताओं में उलझेंगे. कार्य योजनाओं को पूरा करने में बाधाएं आएंगी जिन्हें दूर करने के लिए श्रम और धन अधिक खर्च करना पड़ सकता है.

इन दौरान कठिनाईयों के बावजूद आपको अपनी योग्यता व कार्यक्षमता सिद्ध करने का प्रयास करना चाहिए, इसके लिए अच्छा समय है. आय की रफ्तार बनाये रखने के लिए सकारात्मक विचार रखना चाहिए तथा आलस्य त्याग कर जिम्मेदारी पूर्वक कार्य पर ध्यान देना चाहिए. आपकी संघर्षशील प्रवृति हरेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करने में मददगार साबित होगी.

साढ़ेसाती के इस समय में लाभ वृद्धि के लिए व्यावसायिक क्षेत्र में ईमानदार एवं निष्ठावान बने रहना लाभदायक होगा. ग़लत तरीके से दूसरों से लाभ पाने की कोशिश न करें. दयालुता, धार्मिक आस्था एवं परोपकार की भावना बनाये रखने मानसिक दबाव में कमी आएगी.